CHETANA
International Journal of Education (CIJE)

Peer Reviewed/Refereed Journal
ISSN : 2455-8279 (E)/2231-3613 (P)

Impact Factor
SJIF 2024 - 8.445

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

# कक्षा में कृत्रिम् बुद्धिमता का उपयोग

**सविता कुमारी**
*सहायक आचार्या*
*श्री बालाजी टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज,जयपुर*
*Email- dsavita551@gmail.com*

*First draft received: 05.04.2025, Reviewed: 18.04.2025*
*Final proof received: 15.05.2025, Accepted: 08.06.2025*

**सार-संक्षेप**

*कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए. आई) तकनीकी क्षेत्रों में एक बड़ा बदलाव ला रही है, जहाँ इसे अधिक दक्षता और प्रदर्शन के लिए सिस्टम को स्वचालित करने के लिए लागू किया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब आपके मोबाइल फ़ोन से लेकर बीमारियों के निदान तक कई क्षेत्रों में इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे दक्षता के साथ उच्च–प्रदर्शन और सटीक सिस्टम काम करता है। नई तकनीकी दुनिया में, आप बिग डेटा, मशीन लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क आदि जैसे शब्द सुनते हैं। ये सभी शब्द सीधे या परोक्ष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े हुए हैं। कृत्रिम बुद्धिमता (ए.आई) को कंप्यूटर सिस्टम, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की क्षमता के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जो ऐसे कार्य करने के लिए है जिसके लिए आम तौर पर मनुष्यों को बुद्धिमत्ता का उपयोग करने की आवश्यकता होती है।*

*मुख्य शब्द : कक्षा, कृत्रिम बुद्धिमता, उपयोग आदि.*

## प्रस्तावना

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए. आई) तकनीकी क्षेत्रों में एक बड़ा बदलाव ला रही है, जहाँ इसे अधिक दक्षता और प्रदर्शन के लिए सिस्टम को स्वचालित करने के लिए लागू किया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब आपके मोबाइल फोन से लेकर बीमारियों के निदान तक कई क्षेत्रों में इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे दक्षता के साथ उच्च–प्रदर्शन और सटीक सिस्टम काम करता है। नई तकनीकी दुनिया में, आप बिग डेटा, मशीन लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क आदि जैसे शब्द सुनते हैं। ये सभी शब्द सीधे या परोक्ष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े हुए हैं। कृत्रिम बुद्धिमता (ए.आई) को कंप्यूटर सिस्टम, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की क्षमता के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जो ऐसे कार्य करने के लिए है जिसके लिए आम तौर पर मनुष्यों को बुद्धिमत्ता का उपयोग करने की आवश्यकता होती है।

## कक्षा में कृत्रिम बुद्धिमता (ए.आई) का उपयोग :

यह पता लगाने में मदद करता है कि एक छात्र क्या जानता है और क्या नहीं, ज्ञान के अंतर को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक शिक्षार्थी के लिए एक व्यक्तिगत अध्ययन कार्यक्रम तैयार करता है। कक्षाओं में कृत्रिम बुद्धिमता (ए.आई) का उपयोग अनेक प्रकार से किया जा रहा है, इस पर अधिक विस्तृत जानकारी इस प्रकार है –

### शिक्षकों के लिए

शिक्षकों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कई तरह से मददगार साबित हो सकता है। यह शिक्षकों को पाठ योजना बनाने, असाइनमेन्ट बनाने तथा समय बचाने के साथ–साथ बच्चों के लिए बेहतर और व्यक्तिगत शिक्षा प्रदान करने में मदद करता है।

### व्यक्तिगत शिक्षण में उपयोगी

ए. आई छात्रों के डेटा (सीखने की शैली, गति, ताकत/कमजोरी) का विश्लेषण कर सकता है, ताकि व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप सामग्री, गतिविधियां और आकलन तैयार किया जा सके।

### स्वचालित कार्य करने में उपयोगी

ए. आई. ग्रेडिंग, रिपोर्ट निर्माण और अन्य प्रशासनिक कार्यों को स्वचालित कर सकता है, जिससे शिक्षकों का समय छात्रों के साथ अधिक सार्थक बातचीत के लिए मुक्त हो जाएगा।

### डेटा–संचालित अंतर्दृष्टि के रूप में सहायक

ए.आई. छात्रों के प्रदर्शन डेटा का विश्लेषण करके उन क्षेत्रों की पहचान कर सकता है जहां छात्रों को अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता है या जहां पाठ्यक्रम में सुधार किया जा सकता है।

### सामग्री निर्माण में उपयोगी

ए.आई. इंटरैक्टिव सिमुलेशन, वर्चुअल लैब और व्यक्तिगत अभ्यास समस्याओं जैसी आकर्षक शिक्षण सामग्री बनाने में सहायता कर सकता है।

**चौटबॉट और डिजिटल सहायक**

ए.आई.–संचालित चौटबॉट छात्रों को तत्काल फीडबैक और सहायता प्रदान कर सकते हैं, प्रश्नों का उत्तर दे सकते हैं और उन्हें असाइनमेंट में मार्गदर्शन दे सकते हैं।

**छात्रों के लिए**

छात्रों को उनकी सीखने की शैली और आवश्यकताओं के अनुसार सामग्री और ट्यूशन प्रदान कर सकता है, जिससे उनका ज्ञान और कौशल विकसित हो सकता है।

**एआई–संचालित मूल्यांकन उपकरण के रूप में सहायक**

ये उपकरण ग्रेडिंग को स्वचालित कर सकते हैं, विस्तृत फीडबैक प्रदान कर सकते हैं, तथा उन क्षेत्रों की पहचान कर सकते हैं जहां छात्रों को सहायता की आवश्यकता है।

**सन्दर्भ ग्रंथ सूची**


- www.google.com
- डॉ. व्यास एस.एम.(2007), "भारतीय शिक्षा नई दिशाएँ, नए आयाम", क्लासिक कलेक्शन्स, जयपुर
- hi.wikipedia.org
- अग्निहोत्री रवीन्द्र(2008), ''आधुनिक भारतीय शिक्षाः समस्याएँ और समाधान'', राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
- डॉ. भार्गव के. पी.(2008), ''आधुनिक भारतीय शिक्षा'', अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा
- डॉ. गुप्ता एस.पी. व डॉ. गुप्ता अल्का (2013), ''उच्चर शिक्षा मनोविज्ञान'', शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद